भारत - तुर्कमेनिस्तान संबंध

तुर्कमेनिस्तान जो, पूर्व यू एस एस आर का एक गणतंत्र था, को 27 अक्टूबर 1991 को स्वतंत्र राज्य के रूप में उद्घोषित किया गया। इसकी सीमाएं उत्तर में कजाकिस्तान के साथ, उत्तर एवं उत्तर - पूर्व में उजबेकिस्तान के साथ, दक्षिण में ईरान के साथ तथा दक्षिण - पूर्व में अफगानिस्तान के साथ लगती हैं। इसका क्षेत्रफल 488,100 वर्ग किलोमीटर है तथा उत्तर से दक्षिण में इसकी लंबाई 650 किमी तथा पूर्व से पश्चिम में 1100 किमी है। तुर्कमेनिस्तान की प्रमुख नदियां आमू दरया है जो अफगानिस्तान से इस देश में प्रवेश करती है तथा उजबेकिस्तान में प्रवेश करने से पूर्व उत्तर - पूर्वी सीमाओं के समानांतर बहती है। कैराकुम नहर आमू दरया के पानी को पूरब में मरूस्थल से होते हुए पश्चिमी भाग में पहुंचाता है और यह पेयजल एवं सिंचाई का मुख्य स्रोत है। तुर्कमेनिस्तान का अधिकांश इलाका (लगभग 80 प्रतिशत) मरूस्थल है। यहां पर विश्व के कुछ सबसे पुराने शहर विकसित हुए थे। तुर्कमेनिस्तान के अवशेषों में सबसे उल्लेखनीय पुराने शहरों एवं गढ़ियों के अवशेष हैं। सैकड़ों पहाड़ तथा चूर चूर होते खंडहर हैं जो पूरे देश में पाए जाते हैं तथा इस बात के प्रमाण हैं कि इस देश का पथ बहुत महान एवं रोचक था। ये आम शहर नहीं थे : मेर्व 13वीं शताब्दी के शुरू में विश्व में सबसे बड़े शहरों में से एक था तथा उर्गेंच संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र था जो पूरी मध्य एशिया की कला एवं वास्तुशिल्प को प्रभावित करता था।

तुर्कमेनिस्तान के साथ भारत के घनिष्ठ, मित्रतापूर्ण और ऐतिहासिक संबंध हैं। सन् 1650 में दिल्ली में निर्मित 'तुर्कमान गेट' इस मित्रता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नेहरू ने जून 1955 में असगाबात का दौरा किया था। यहां तुर्कमेनिस्तान के लोगों में भारतीय फिल्में तथा टीवी सीरियल लोकप्रिय हैं। इसी तरह, तुर्कमेनिस्तान के लोगों के दिलों में भारतीय संगीत का एक विशेष स्थान है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मध्य एशिया अपने के दौरे के अंग के रूप में 10 और 11 जुलाई, 2015 को तुर्कमेनिस्तान का दौरा किया। यह देखते हुए यह एक ऐतिहासिक यात्रा थी कि भारत के किसी प्रधानमंत्री ने 20 साल बाद तुर्कमेनिस्तान का दौरा किया। उन्होंने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति के साथ एकांतिक वार्ता की जिसके बाद शिष्टमंडल स्तरीय वार्ता हुई तथा 11 जुलाई को दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए और इसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया। माननीय प्रधानमंत्री ने अशगाबात में योग एवं परंपरागत चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन भी किया जो इस क्षेत्र में इस तरह का पहला केंद्र है, महात्मा गांधी जी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया और हिंदी सीखने वाले अज़ादी विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत की।

तापी (तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत) गैस पाइपलाइन परियोजना ने दिसंबर 2010 में असगाबात में तापी सम्मेलन होने के बाद से लगातार प्रगति की है। 13 नवंबर 2014 को तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत की चार राजकीय गैस कंपनियों ने एक कंपनी स्थापित की जो 1800 किमी लंबी नियोजित तुर्कमेनिस्तान - अफगानिस्तान - पाकिस्तान - भारत (टी ए पी आई) प्राकृतिक गैस पाइप लाइन का निर्माण करेगी, स्वामित्व लेगी और प्रचालन करेगी। इस कंपनी को आइल आफ मैन में विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में निगमित किया गया है तथा इसका नाम तापी पाइप लाइन कंपनी रखा गया है।

तापी की संचालन समिति की 22वीं बैठक अशगाबात में 06 अगस्त, 2015 को हुई। भारत सरकार में माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में भारतीय शिष्टमंडल ने 06 से 08 अगस्त, 2015 तक तापी की संचालन समिति की बैठक में भाग लिया। तुर्कमेनिस्तान ने कंसोर्टियम का नेतृत्व करने का प्रस्ताव किया जिससे सभी अन्य तीन सदस्यों ने एकमत से सहमति व्यक्त की।

तापी की संचालन समिति की 23वीं बैठक अशगाबात में 24 अगस्त, 2015 को हुई। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव श्री कपिल देव त्रिपाठी ने भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। बैठक के बाद पक्षकारों के बीच शेयर धारक करार पर आद्याक्षर किए गए। भारत इस परियोजना में 5 प्रतिशत शेयर लेने पर सहमत हुआ।

तापी गैस पाइप लाइन परियोजना में भारत के हितों को आगे बढ़ाने के लिए ओ वी एल अशगाबात में अपना कार्यालय खोलने की प्रक्रिया में है।

तापी भूमि भंजन समारोह 13 दिसंबर, 2015 को मैरी में आयोजित हुआ और इसके बाद उम्मीद है कि अफगान बार्डर तक तुर्कमेनिस्तान में तापी के पहले चरण (215 किमी) का कार्यान्वयन शुरू होगा।

भारत की ओर से मुख्य दौरे : प्रधान मंत्री श्री पी. वी. नरसिम्हा राव - 19-21 सितंबर, 1995; विदेश मंत्री श्री जसवंत सिंह - मई 1999; पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री दिनशा पटेल - 13-15 फरवरी 2006; विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद - 1-4 अक्टूबर 2006 और 14 फरवरी 2007; जल संसाधन मंत्री श्री सैफुद्दीन सोज - 23-25 दिसंबर, 2006; उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी - 4-6 अप्रैल 2008; विदेश मंत्री श्री एस. एम. कृष्णा - 18-19 सितंबर, 2009; राज्य मंत्री (पीके) श्रीमती परणीत कौर - 8-9 फरवरी 2010; पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद - 19-20 सितंबर 2010; पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री मुरली

देवड़ा - 10-12 दिसंबर 2010; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री सचिन पायलट - 16-18 अक्टूबर 2011; पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री एस. जयपाल रेड्डी - 22-24 मई 2010; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री कपिल सिब्बल - 16-19 सितंबर 2012; पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री डॉ0 एम. वीरप्पा मोइली - 9-10 जुलाई 2013; संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री पबन सिंह घटोवार - 26-28 अक्टूबर 2013; माननीय रक्षा मंत्री श्री ए के एंटनी ने 18 नवंबर 2013 को असगाबाट हवाई अड्डे पर मार्गस्थ विराम किया; और भारत सररकर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 20 नवंबर 2014 को अशगाबाट में आयोजित तापी संचालन समिति की बैठक में भाग लिया। विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने शंघाई सहयोग संगठन की 14वीं राष्ट्राध्यक्ष शिखर बैठक, जिसमें वह अतिथि थी, के दौरान अतिरिक्त समय में दुशांबे, तजाकिस्तान के 12 सितंबर 2014 को तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति गुरूबांगुली बेर्डिमुहादोव के साथ द्विपक्षीय बैठकें की। विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 8 अप्रैल, 2015 को अशगाबात में आयोजित 5वें आई जी सी के लिए 7 से 9 अप्रैल, 2015 के दौरान अशगाबात का दौरा किया तथा विदेश मंत्री ने मास्को जाते समय तथा मास्को से लौटते समय 19 और 21 अक्टूबर को अशगाबात में ट्रांजिट हाल्ट किया, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 11 जुलाई 2015 को तथा माननीय उप राष्ट्रपति ने 11 से 13 दिसंबर, 2015 तक अशगाबात का दौरा किया।

भारत की मुख्य यात्राएं : राष्ट्रपति सापरमिरात नियाजोव - 18 से 20 अप्रैल 1992 और 25 एवं 26 फरवरी 1997; उप प्रधान मंत्री बोरिस शिखमुरादोव - 02 से 04 दिसंबर 1992; उप प्रधान मंत्री एवं विदेश मंत्री - 18 से 20 अप्रैल 1995, 7 एवं 8 अप्रैल 1997 और अप्रैल 2000; उप प्रधान मंत्री एवं विदेश मंत्री राशिद मेरेदोव- 20 से 22 जनवरी 2008; राष्ट्रपति गुरबांगुली बेरदीमुहामेदोव - 24 से 26 मई 2010; संसद की उपाध्यक्ष सुश्री गुरबांगुल बेरामोवा - 3 एवं 4 अक्टूबर 2012; तेल / गैस उद्योग के कार्यवाहक मंत्री के अब्दुल्लाएव - 14 से 17 अक्टूबर 2012; उप प्रधान मंत्री एवं विदेश मंत्री राशिद मेरेदोव - 21 एवं 22 जनवरी 2013 और उप प्रधानमंत्री (तेल एवं गैस) श्री बायमुरात होजामुहम्मेदोव - 21 जुलाई 2015

शिक्षा

भारत तुर्कमेनिस्तान के नागरिकों को भारत में आई टी ई सी प्रशिक्षण प्रदान करता है। वर्ष 2015-16 में, उनकेलिए 20 आई टी ई सी स्लॉट प्रदान किए गए। तुर्कमेनिस्तान के लिए वर्ष 1994 में इस कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर अब तक कुल मिला कर 345 तुर्कमानी नागरिकों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

भारत तुर्कमेनिस्तान के छात्रों को आई सी सी आर छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। प्रतिवर्ष 20 आई सी सी आर छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। तुर्कमेनिस्तान के लगभग 100 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं।

व्यापार

वर्ष 2014-15 के लिए कुल व्यापार 105.03 मिलियन अमरीकी डालर था। इसमें से भारत की ओर से निर्यात का मूल्य 91.98 मिलियन अमरिकी डालर तथा भारत द्वारा आयात का मूल्य 13.05 मिलियन अमरीकी डालर था तथा भारत ने अपने पक्ष में 78.93 मिलियन अमरीकी डालर का अतिरिक्त व्यापार दर्ज किया। भारत से निर्यातों में इलैक्ट्रॉनिक और बिजली के सामान (भारत में निर्मित एलजी के उत्पाद), मशीनरी और बुने हुए कपड़े तथा औषधियां, प्रशीतित मांस और टायर शामिल हैं। भारत को निर्यातों में कच्चा चमड़ा और अकार्बनिक रसायन (जैसे आयोडीन) शामिल हैं।

द्विपक्षीय व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	भारतीय निर्यात	भारतीय आयात	कुल टर्न ओवर
2010-11	26.16	9.73	35.89
2011-12	43.95	16.89	60.84
2012-13	69.92	8.33	78.25
2013-14	73.63	14.10	87.73
2012-13	69.92	8.33	78.25
2013-14	73.63	14.10	87.73
2014-15	91.98	13.05	105.03

तुर्कमेनिस्तान पक्ष के अनुसार 2014 में द्विपक्षीय व्यापार 185 मिलियन अमरीकी डालर था।

तुर्कमेनिस्तान के टूर ऑपरेटर्स को भारत की पर्यटन क्षमता से अवगत कराने के लिए 22 सितंबर, 2015 को अशगाबात में 'अतुल्य भारत रोड शो' नामक एक भारत पर्यटन सेमिनार आयोजित किया गया।

उर्वरक

भारत और तुर्कमेनिस्तान ने पेट्रो-रसायन क्षेत्र में अवसरों का पता लगाया तथा इस क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने पर सहमति हुई। माननीय प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान 11 जुलाई 2015 को अशगाबात में रासायनिक उत्पादों की आपूर्ति पर 'तुर्कमेनहिमिया' (तुर्कमेन केमिकल्स) और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टीलाइजर्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

तुर्कमेनिस्तान के साथ वायुमार्गीय संपर्क

तुर्कमेनिस्तान एयरलाइन्स प्रति सप्ताह भारत के लिए 8 उड़ानें संचालित करता है - नई दिल्ली के लिए सीधी 2 उड़ानें (शनिवार और रविवार) तथा अमृतसर के लिए 6 उड़ानें (शुक्रवार को छोड़कर सभी दिन)।

सांस्कृतिक संबंध :

तुर्कमेनिस्तान की सरकार और भारत सरकार के बीच विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति, कला, पर्यटन, खेलकूद और जन संचार माध्यमों के क्षेत्र में सहयोग कार्यक्रम पर आरंभ में दो वर्ष के लिए नई दिल्ली में दिनांक 25 मई 2010 को हस्ताक्षर किए गए थे जिसे अन्य दो वर्ष के लिए 31 दिसंबर 2014 तक बढ़ा दिया गया था, और इसे पुन: दो वर्ष के लिए 31 दिसंबर 2016 तक एमान विद्यमान शर्तों एवं निबंधनों पर बढ़ा दिया गया है।

नाट्य स्टेम नृत्य कंपनी से एक 10 सदस्यीय सांस्कृतिक मंडली ने 16 से 19 अक्टूबर 2015 तक तुर्कमेनिस्तान का दौरा किया तथा समकालीन भारतीय नृत्य शब्दकोश का सृजन करने के लिए भारतीय शास्त्रीय नृत्य के मूवमेंट करने और सौंदर्यपरक संवेदनशीलता को प्रदर्शित करने के लिए अशगाबात एवं मैरी में सांस्कृतिक शो का आयोजन किया।

तुर्कमेनिस्तान में भारतीय समुदाय

इस समय तुर्कमेनिस्तान में लगभग 534 भारतीय नागरिक हैं। तुर्कमेनिस्तान में भारतीयों का फैलाव इस प्रकार है : अशगाबाट - 115, मैरी - 80, बाल्कन - 303, आहल - 16 और लेबाप - 20 इनमें से अधिकतर तेल एवं गैस क्षेत्र में तथा निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले अर्ध कुशल मजदूर हैं। कुछ इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर तथा तकनीशियन भी तेल एवं गैस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। कोई भी भारतीय तुर्कमेनिस्तान में नहीं बसा है क्योंकि स्थानीय कानून किसी विदेशी को नागरिकता प्रदान करने की अनुमति नहीं देते हैं। इस प्रकार तुर्कमेनिस्तान में भारतीय डायसपोरा जैसी कोई चीज नहीं है। विदेशी कंपनियों जिनके लिए भारतीय मजदूर काम कर रहे

थे, की कतिपय परियोजनाओं के पूरा हो जाने की वजह से भारतीय मजदूरों की संख्या घट रही है। तुर्कमेनिस्तान में कोई भारतीय संघ अथवा भारतीय छात्र नहीं हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, असगाबात की वेबसाइट:
http://www.eoi.gov.in/ashgabat

*****

जनवरी, 2016